

28.4.24

कनील अमील 3401 पञ्जाबली के कक्ष कुम्भी 327
 पञ्जाबली के उपलब्ध रिपोर्ट व उद्देश्यों को ध्यान में
 रखा गया। अत्यन्त कम पर ध्यान कि पञ्जाबली
 के निम्न उद्देश्यों पर ध्यान-पत्र, आध्यात्मिक, गण-
 आध्यात्मिक, राजनिक, लोक पाठ पुस्तक, भाषाशास्त्र का
 अति प्रसिद्धि के अमील के एक सम्बन्ध में है कि
 सम्बन्धित हाथ उद्घृत गद्य में भी अमील के एक
 वाक्य के अन्त में सम्बन्धित लिखे जाने की उद्देश्य
 जाहिर की है। उक्त उद्देश्यों व सम्बन्धित की
 उद्देश्यों के आध्यात्मिक अमील अमील उद्देश्यों
 गद्य है कि उद्देश्यों का उद्देश्य अमील
 के एक वाक्य के अन्त में सम्बन्धित लिखे जाने के
 उद्देश्य उद्घृत लिखे जाने हैं। पञ्जाबली के अन्त उद्घृत
 उद्घृत नाम है कि उद्घृत उद्घृत उद्घृत है।



211
 उपखण्ड अधिकारी
 कसौली (सज०)